



Literacy for a Billion

Movie: Patita

Year: 1953

Song: Kisine Apna Banake Mujhko

Lyricist: Shailendra

किसी ने अपना बनाके मुझको
मुस्कुराना सिखा दिया
अँधेरे घर में किसीने हँसके
चिराग़ जैसे जला दिया

सुनीं थीं लेकिन कहानियाँ
सुनीं थीं लेकिन कहानियाँ
जो ख़्वाब रातों में भी न आया
वो मुझको दिन में दिखा दिया

किसी ने अपना बनाके मुझको
मुस्कुराना सिखा दिया

किसी ने अपना बनाके मुझको
मुस्कुराना सिखा दिया

शरम के मारे मैं कुछ न बोली
शरम के मारे मैं कुछ न बोली
नज़र ने पर्दा गिरा दिया
मगर वो सब कुछ समझ गए हैं
कि दिल भी मैंने गँवा दिया

वो रँग भरते हैं ज़िन्दगी में
वो रँग भरते हैं ज़िन्दगी में
बदल रहा है मेरा जहाँ
कोई सितारे लुटा रहा था
किसीने दामन बिछा दिया

किसी ने अपना बनाके मुझको
मुस्कुराना सिखा दिया

किसी ने अपना बनाके मुझको
मुस्कुराना सिखा दिया
अँधेरे घर में किसीने हँसके
चिराग़ जैसे जला दिया

न प्यार देखा न प्यार जाना
न प्यार देखा न प्यार जाना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.